भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2577
जिसका उत्तर मंगलवार 01 अगस्त, 2017 को दिया जाना है

भारी उद्योगों में आधुनिक प्रौद्योगिकी

2577. श्री एंटो एन्टोनी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार देश में भारी उद्योग क्षेत्र को आधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित करने के लिए आईआईटी तथा विज्ञान के अन्य उच्च संस्थानों को शामिल करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि संबंधी स्कीम 2014 से प्रचालन में है। प्रौद्योगिकी विकास हेतु उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)स्थापित करना इस स्कीम का एक घटक है। इस घटक में शैक्षणिक और प्रौद्योगिकी संबंधी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र जैसे कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नॉलोजी इंस्टिट्यूट (सीएमटीआई) में उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने का प्रावधान है।

(ख) और (ग): केपिटल गुड्स स्कीम के तहत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास, चेन्नई, सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नॉलोजी इंस्टिट्यूट (सीएमटीआई), बेंगलुरु और पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नॉलोजी, कोयंबटूर जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

सीएमटीआई, बेंगलुरु में उन्नत प्रौद्योगिकी के शटल रहित करघों का विकास किया जा रहा है। आईआईटी, मद्रास में 11 मशीन टूल्स प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा रहा है और पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नॉलोजी, कोयंबटूर, में 3 वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा रहा है।

*****